Volume-9, No. 1 Feb.-2022, pp. Hin.06-08

शिक्षक शिक्षा में नवाचार

डॉ.(श्रीमती) विवेक भदौरिया, (प्राचार्य)
माधव शिक्षा महाविद्यालय ग्वालियर मध्यप्रदेश भारत।

नवाचार का अर्थ किसी उत्पाद, प्रक्रिया या सेवा में थोड़ा या कुछ बड़ा परिवर्तन लाने से है इसके अंतर्गत कुछ नया और उपयोगी अपनाया जाता है जैसे– कोई नई विधा या नई तकनीकि। नवाचार का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को आदर्श रुप में स्थापित करना है। शिक्षण पद्धति में नवाचार शिक्षकों पर निर्भर करता है। शिक्षक प्रयोग, शोध और क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित नवाचारों का प्रयोग कर बच्चों का सर्वागींण विकास कर उनको कौशल एवं प्रतिभा से अवगत करा सकते हैं। शिक्षक शिक्षा में नवाचार के प्रयोग द्वारा परम्परागत शिक्षा पद्धति को वर्तमान परिवेश के अनुरुप परिवर्तित किया जा सकता है।

मुख्य शब्द– शिक्षा, नवाचार, **नवाचार की विशेषताएं**

नवाचार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जो प्रावधान रखे गये हैं वह व्यावहारिक रुप में प्रभावी ढ़ंग से लागू हो सकेंगे तथा जिस उद्देश्य से इस नीति को बनाया गया है उसको प्राप्त कर सकेंगे।

नवाचार शब्द दो शब्दो से मिलकर बना है– नव+आचार, नव का अर्थ है नया और आचार का अर्थ है आचरण या परिवर्तन। नवाचार वह परिवर्तन है जो पूर्व स्थित विधियों और पदार्थ आदि में नवीनता का संचार करता है। नवाचार शब्द अंगेजी के इनोवेशन शब्द के इनोवेट शब्द से बना हुआ है। जिसका अर्थ होता है नवीनता लाना या परिवर्तन लाना। परिवर्तन एक गतिशील एवं आवश्यक प्रक्रिया है जो समाज को वर्तमान व्यवस्था के प्रति और अधिक उपयोगी तथा सार्थक बनाती है। परिवर्तन और नवाचार एक दूसरे के पूरक या पर्याय है।

"नवाचार कोई नया कार्य करना ही मात्र नहीं है वरन किसी कार्य को नये तरीके से करना भी नवाचार है।"

वारनेट के अनुसार "नवाचार एक विचार है, व्यवहार है अथवा पदार्थ है जो नवीन अथवा वर्तमान स्वरुप से गुणात्मक दृष्टि से भिन्न है।

ट्रायटेन के अनुसार–"शैक्षिक नवाचारों का उद्भव स्वतः नहीं होता बल्कि उन्हें खोजना पड़ता है तथा सुनियोजित तरीकों से इन्हें प्रयोग में लाना होता है ताकि शैक्षिक कार्यक्रमों को परिवर्तित परिवेश में गति मिल सके और परिवर्तन के साथ गहरा तारतम्य बनाये रख सके।"

NESCO (1971) नवाचार एक नूतन विचार की शुरूआत है। यह एक तकनीकि प्रकिया है। जिसका विस्तृत उपयोग प्रचलित व्यवहारों तथा तकनीकि के स्थान पर किया जाता है। यह मात्र परिवर्तन के लिये परिवर्तन नहीं हैं बल्कि इसका क्रियान्वयन और नियन्त्रण, परीक्षण और प्रयोगों के आधार पर किया जाता है।

शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम होने के साथ–साथ राष्ट्र और विश्व के विकास की धुरी भी है। बच्चे राष्ट्र निर्माण के प्रमुख आधार है और उनको परिवार,समाज व राष्ट्र का एक जिम्मेंदार नागरिक बनाने वाला शिक्षक उसका महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक जितना अधिक क्रियाशील, प्रभावपूर्ण, साधन सम्पन्न, प्रतिबद्ध और दक्ष होगा शिक्षा उतनी ही उपयोगी होगी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षक के नवाचार को प्राथमिकता दी गयी है। शिक्षक शिक्षा में नवाचार का प्रयोग वर्तमान शैक्षिक परिस्थियों में सुधार लाना है।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार–

शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर के आगमन ने शिक्षकों का भार न्यूनतम समय में आधुनिकतम प्रणालियों की उपयोग क्षमता के विकास की आवश्यकता के साथ बढ गया है। सीखने सिखाने में कम्प्यूटर इन्टरनेट का प्रयोग अनिवार्य होता जा रहा हैं। शिक्षक शिक्षा में नवाचार का प्रयोग वर्तमान शैक्षिक परिस्थियों में सुधार लाने के लिये किया गया है। हमारे देश में शैक्षिक मानकों के उत्थान और सतत् विकास के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। नवीन शैक्षिक परिस्थियों में विद्याार्थियों के साथ संबंध बनाने के लिए शिक्षकों को स्वयं को नए तरीकों से अवगत होने की आवश्यकता है। आज वीडियो, इंटरनेट, ब्राडकास्ट का समय है। बच्चे इस इंटरेक्टिव मीडिया के माध्यम से आसानी से सीख सकते हैं। इसलिए शिक्षकों को वर्तमान प्रौधौगिकी के साथ अपने आपको अद्यतन बनाये रखना होगा। शिक्षक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि अधिगमकर्ता को ऐसे निर्देश देना है जिससे वे सूचनाओं को प्राप्त कर स्वयं ज्ञानाजर्न कर सकें। शिक्षक शिक्षा में नवाचार को अपनाकर न केवल पाठ्यक्रम की पूर्ति की जा रही है

अपितु भविष्य की संभावनाओं तथा प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं जिसमें करके सीखने एवं अभ्यास द्वारा सीखने और प्रत्यक्ष अनुभवों को ग्रहण करने का अवसर प्राप्त हो।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार लाने के उद्धेश्य से ही शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनिमय–2014" के द्वारा कुछ प्रभावशाली परिवर्तन किए गए हैं जैसे– द्विवर्षीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा में स्नातक (बी.एड.), शिक्षा में मास्टर डिग्री (एम.एड.), तीन वर्षीय एकीकृत बी.एड. –एम.एड. चार वर्षीय एकीकृत बी.ए.–बी.एड. आदि। नवाचारों के रुप में विभिन्न कौशल, सामुदायिक सेवाएं तथा स्वाध्याय पर आधारित अभ्यास कार्यक्रम आदि को सम्मिलित किया गया है। सैद्धान्तिक भाग के साथ–साथ नवीन पाठ्यक्रम में भाषा का ज्ञान, विषय–वस्तु के अध्ययन के साथ ड्रामा एवं कला जैसी नवीनतम क्रियाओं का अध्ययन व संचालन नवाचार ही है। क्षेत्रीय कार्यक्रम के निर्धारित पाठ्यक्रम में शिक्षण शैली, अधिगम का मूल्यांकन, कम्प्यूटर शिक्षा, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद विवाद, पैनल चर्चा, योगशिक्षा आदि को सम्मिलित किया गया है। शिक्षक शिक्षा में नवाचार के प्रयोग के द्वारा लाभान्वित वर्ग को क्या सीखना, कैसे सीखना, कब सीखना तथा क्यों सीखना के साथ–साथ सीखने की उपलब्धियों का पता लगाने के लिए मूल्यांकन के नवीन उपकरणों की जानकारी दी जाती है। एक नवाचारी शिक्षक शिक्षण संबंधी समस्याओं का समाधान स्वयं के स्तर पर करने के साथ ही दूसरे शिक्षकों को ऐसे समाधान द्वारा प्रेरणा भी प्रदान करते हैं शिक्षक शिक्षा की वास्तविकता एवं व्यावहारिक उपादेयता इनके क्रियान्वयन की सफलता नवाचारों की खोज से ही संभव है। नवाचारों के प्रयोग से कक्षा–कक्ष में प्रजातांत्रिक वातावरण एवं अधिकाधिक ज्ञानेन्द्रियों को सक्रिय रखने का अवसर प्रदान किया जाता है। जिससे अधिगम की स्थिति ज्ञान स्तर से उठ कर चिन्तन स्तर तक पहुंच जाती है। शिक्षक शिक्षा में नवाचार का उपयोग अनेक शैक्षिक समस्याओं का हल प्राप्त करने में उपयोगी है।

नवाचार की विशेषताएं–

1. नवाचार में क्रियाशीलता एंव प्रयोगिगता की प्रवृति उपस्थित रहती है।
2. यह प्रयासपूर्ण किया जाने वाला कार्य है।
3. नवाचार के द्वारा वर्तमान विधियों और परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है।
4. शिक्षा में नवाचार के माध्यम से नवीनतम तकनीकि को संस्था में पहुंचाया जाता है।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता–

शिक्षक समाज का वह हिस्सा है जो शिक्षा के माध्यम से बदलाव का कारक है। शिक्षक प्रशिक्षण एवं स्कूली शिक्षा का गहन–संबंध है। ये दोनों ही एक–दूसरे को प्रभावित करते है। शिक्षक शिक्षा को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम, आवश्यकता एवं अपेक्षाओं के साथ जोड़कर देखा जाना आवश्यक है। शिक्षक को केवल शिक्षण विधियों का ज्ञान ही नहीं बल्कि बच्चों को उनके सामाजिक–आर्थिक परिवेश को तथा सीखने की प्रक्रिया को समझना चाहिए। शिक्षक शिक्षा में नवाचार की आवश्यक को निम्न संदर्भों में देखा जा सकता है–

1. छात्राध्यापकों को प्रत्यक्ष एवं स्थायी ज्ञान प्रदान करने योग्य बनाने हेतु।
2. अभिव्यक्ति क्षमता एवं शिक्षण दक्षता के विकास हेतु।
3. शिक्षण विधियों में नवीनता लाने हेतु।
4. शिक्षक शिक्षा संस्थानों एवं विद्याालय में समन्वय स्थापित करने के लिए।
5. छात्राध्यापकों को क्रियाशील बनाने के लिए।
6. छात्राध्यापकों में स्वस्थ दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए
7. शिक्षक शिक्षा को तकनीकी युक्त बनाने के लिए।
8. सामाजिक आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु।
9. शिक्षक शिक्षा में गुणात्मक एवं मात्रात्मक विकास के लिए।
10. शिक्षक शिक्षा को समय सापेक्ष परिवर्तन युक्त बनाने के लिए।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार का महत्व–

1. नवाचार के माध्यम से शिक्षक परम्परागत शैक्षिक जड़ता को तोड़ते हुए नवीन दक्षताओं को विकसित कर सकता है।
2. नवाचार के द्वारा शिक्षक स्वयं सृजनशील एवं अध्ययनशील बनते हैं।
3. छात्राध्यापक शिक्षण में प्रयोगिक एवं व्यावहाारिक कार्यो को संपादित करने हेतु आवश्यक तैयारी एंव प्रभावी क्रियान्वयन कर सकते हैं।
4. यह शिक्षक को अपने काम के प्रति रचनात्मक, जिम्मेदार एवं व्यावहारिक द्वष्टिकोण अपनाने में सहयोग करता हैं।
5. नवाचार के माध्यम से विद्यालय एवं समुदाय के मौजूदा संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग किया जा सकता है।
6. नवाचार द्वारा शिक्षक बच्चों को बोझिल, उबाऊ और अरूचिकर शिक्षा से हटाकर आनंदमयी एवं रूचिकर शिक्षा देने में सक्षम होते हैं।

7. नवाचार से छात्राध्यापक बाल केन्द्रित उपागम एवं गतिविधि आधारित शिक्षण की प्रकिया को सीख सकते हैं।
8. नवाचार के द्वारा ही शिक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन संभव है।
9. छात्राध्यापक सत्त एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को समझ सकेंगे।

सुझाव–

1. शिक्षा में नवाचार हेतु शिक्षकों के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशाला जैसे
   कार्यक्रमों का सतत् आयोजन होना चाहिए।
2. अभिभावकों से शिक्षकों को सतत् सम्पर्क बनाये रखना चाहिए जिससे छात्रों की अधिक से अधिक समस्याओं का समाधान किया जा सके।
3. शैक्षणिक संस्थान शिक्षकों को समयानुसार अद्यतन (Update) करने हेतु प्रेरित करें।
4. शिक्षकों को शिक्षा में गुणवत्ता बनाये रखने हेतु सतत् शोध एवं प्रयोग करते रहना चाहिये।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलता पूर्वक क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों को बहु विषयों एवं कौशलों का ज्ञान विकसित कर दायित्व बोध का विकास करना होगा।

संदर्भ–

1. डॉ.विश्वनाथ बिहारी लाल एवं डॉ.नरेश चन्द्र त्रिपाठी– शिक्षा में नवाचार
2. भाई योगेन्द्रजीत– शिक्षा में नवाचार और नवीन प्रवृत्तियां
3. डॉ.नरेश चन्द्र त्रिपाठी एवं डॉ.विश्वनाथ बिहारी लाल– शिक्षा के नूतन आयाम
4. नई शिक्षा नीति 2020
5. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनिमय 2014